कुम्भ राशि

जनवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अति उत्तम नहीं रहेगा। शारीरिक आरोग्यता उत्तम नहीं रहेगी। शरीर में वात की प्रधानता रहेगी। दूषित चन्द्रमा के कारण कफ-सर्दी-जुकाम द्वारा मानसिक तथा शारीरिक रूप से अस्वस्थ्य ही रहेंगे। बीच-बीच में खाँसी तथा गले में अवरोध की सम्भावना रहेगी, किन्तु थोड़े से उपचार एवं नियम-संयम से रोगों का शमन करने में सक्षम रहेंगे। मानसिक चिन्तन अधिक बढ़ जाने के कारण शारीरिक कृशता में वृद्धि होगी। मुखमण्डल श्रीहत रहेगा।

आर्थिक स्थिति- गोचरस्थ मंगल के कारण आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धनागम के अनेक स्रोत बनाने पर भी मनोनुकूल धन प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। स्वतः एवं पारिवारिक जनों के रोग निवारण हेतु आवश्यकता से अधिक धन व्यय करना पड़ेगा। कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाओं में जन-धन दोनों की हानि सम्भव है। शत्रु द्वारा किए गये उपद्रव से बचने के लिए श्रम व धन दोनों का व्यय करके शारीरिक एवं मानसिक क्लेशों का अनुभव करेंगे। मशीनरी तथा कम्प्यूटर के व्यापार तथा धन प्राप्ति के लिए स्थापित किए गये ऑफिस से भी इच्छित धन की प्राप्ति नहीं होगी।

पारिवारिक स्थिति- शनि की दृष्टि के कारण पारिवारिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। माता को वात व्याधि की सतत् पीड़ा रहेगी। पितृ सुख में अल्पता का अनुभव करेंगे। धर्म पत्नी से पृथकता बनी रहेगी। पुत्र-पुत्री के द्वारा आर्थिक सहायता प्राप्त करेंगे। परिवार में अप्रिय घटनाओं की अधिकता रहेगी। अशुभ सूचना के कारण मानसिक व्यथा बढ़ेगी। शत्रुओं के मिथ्या आतंक का प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ेगा। अचल सम्पत्ति को लेकर कोई वाद-विवाद भी सम्भव है, किन्तु स्वपक्ष में सफलता निश्चित है।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अति श्रेष्ठ रहेगा। ज्योतिष विद्या तथा अध्यात्म के प्रति विशेष रुचि रहेगी। सतत् कुछ न कुछ अध्ययन करते रहेंगे। अंग्रेजी एवं देववाणी को छोड़कर अन्य भाषाओं से घृणा करेंगे।

फरवरी

स्वास्थ्य- यह माह स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम रहेगा। उत्तम खान-पान के द्वारा रोगों का शमन करने में समर्थ रहेंगे।

मित्र- मित्रों की अधिकता बढ़ेगी, किन्तु मित्रों से किसी प्रकार से लाभ की आशा न करें, उल्टे उन्हें ही विवश होकर कुछ धनदान ही करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। किसी प्रकार से पारिवारिक भरण-पोषण करके आत्मसन्तुष्टि में वृद्धि करेंगे। बीच-बीच में धनहानि भी सम्भव है।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सर्वत्र सम्मान ही प्राप्त करेंगे। प्रतिष्ठा के लिए दशा अच्छी रहेगी।

आहार- मनोनुकूल आहार मिलने की सम्भावना है। परन्तु कभी-कभी बाहर गमन के कारण विवशतावश मन के विपरीत आहार ग्रहण करने से शारीरिक क्लेशों में वृद्धि होगी।

अध्ययन- यह मास अध्ययन के लिए अनुकूल ही रहेगा। शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करके आनन्दविभोर रहेंगे, किन्तु नास्तिकता की भावना से पृथक नहीं रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के प्रति अच्छी भावना नहीं रहेगी। उससे पृथक रहकर जीवन व्यतीत करना अच्छा समझेंगे।

सन्तान- सन्तान सुख अच्छा मिलेगा। सन्तानों में माता-पिता के प्रति विशेष भक्ति भावना रहेगी।

मार्च

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अच्छा रहेगा, किन्तु शीतकारक पदार्थों के सेवन के कारण सर्दी-जुकाम तथा खाँसी में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्र गण स्वार्थवश प्रेम करेंगे। उनसे किसी लाभ की सम्भावना नहीं रहेगी, किन्तु उनकी आर्थिक सहायता करते रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। अर्थागम से अधिक व्यय की दशा चलेगी। बीच-बीच में बिना प्रयोजन के धन हानि होगी।

प्रतिष्ठा- प्रतिष्ठा का क्षेत्र व्यापक रहेगा। सामाजिक तथा पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होगी। सात्विक आहार के प्रति विशेष उत्कण्ठा जागृत रहेगी। शीतकारक पदार्थों का उपभोग न करें।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम रहेगा। ज्योतिष विद्या, शास्त्र तथा अध्यात्म का अध्ययन करते रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के साथ व्यवहार अच्छा नहीं रहेगा। उससे पृथकताजनक स्थिति रहेगी।

सन्तान- सन्तानों में विकास की स्थिति आयेगी। उत्तम प्रज्ञा तथा कुलीनता के कारण जीवन में मनोनुकूल विकास करेंगे।

अप्रैल

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों में कमी आयेगी। शारीरिक स्फूर्ति तथा शक्ति एवं सुन्दरता में वृद्धि की दशा बनेगी।

मित्र- अकस्मात् मित्रों के दर्शन से अपार प्रसन्नता होगी। मित्रों के साथ सहचर्य दूरस्थ यात्राओं में सफलता प्राप्त कर कृतार्थ होंगे। मित्रों की शारीरिक तथा आर्थिक सहायता करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सबलता आयेगी, जिसके कारण समस्त भौतिक सुख-साधनों का उपभोग करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अति श्रेष्ठ रहेगा। उत्तम मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लोगों द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे। सामाजिक तथा पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- आहार की स्थिति अच्छी रहेगी। मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होगी। तामसी आहार का परित्याग कर शारीरिक एवं मानसिक सुखों की उपलब्धि प्राप्त करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम रहेगा। धार्मिक ग्रन्थों तथा मानव धर्मों का अध्ययन करते रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य सुख अच्छा रहेगा। रस-रक्त-मज्जा में कोई कमी नहीं आयेगी। अंग-प्रत्यंग तथा पाचन-क्रिया में में कोई विकार नहीं रहेगा। जीवनसाथी से परस्पर प्रेम बना रहेगा।

सन्तान- सन्तानों में धर्मनिष्ठा तथा परोपकार की विशेष भावना रहेगी। अपने लक्ष्य की प्राप्ति में समर्थता दिखायेंगे। माता-पिता की सेवा करते हुए आशीर्वाद के भाजन बनेंगे।

मई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख में कुछ कमी रहेगी। कफ तथा खाँसी का विशेष प्रभाव रहेगा। वाणी में कभी-कभी विकार उत्पन्न हो सकता है, किन्तु अल्प औषधियों के सेवन से ही लाभ होगा।

मित्र- मित्रों के दर्शनमात्र से ही परस्पर स्नेह बढ़ेगा। मित्रों के सहयोग से असाध्य तथा दुर्लभ कार्यों में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। पारिवारिक भरण-पोषण सम्यक प्रकार से करने में सक्रियता दिखायेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा अति उत्तम रहेगी। लोगों द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे, पर पारिवारिक जनों में प्रतिष्ठा में कमी रहेगी।

आहार- मन के विपरीत आहार प्राप्त होने से शारीरिक एवं मानसिक क्लेशों में वृद्धि होगी और प्राचीन रोगों के पुनः उत्पन्न होने की सम्भावना रहेगी।

अध्ययन- अध्ययन तथा अध्यापन के क्षेत्र में यह माह अनुकूल रहेगा। पठन-पाठन को अपना कर्तव्य समझकर शास्त्रों के चिन्तन में सतत् लगे रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के क्रिया-कलापों से सन्तुष्टि मिलेगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा, किन्तु परस्पर पृथकता का ही भाव रहेगा।

सन्तान- सन्तानों का स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। सन्तानों की धन-सम्पत्ति से माता-पिता को अति सन्तुष्टि मिलेगी।

जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। अधिक उष्णता के कारण कुछ फोड़े-फुन्सियों की अधिकता रहेगी। अस्थि भागों में सुदृढ़ता स्थायी रहेगी।

मित्र- अधिकाधिक समय मित्रों के सहचर्य में व्यतीत होगा। मित्रों से किसी प्रकार की मनोकामनाओं की पूर्ति नहीं होगी। मित्रों से निराशा तथा दुःख की भावना प्रकट करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में अनुकूलता नहीं रहेगी। अधिक परिश्रम करने पर भी सफलता कम ही मिलेगी। अर्थाभाव के कारण अपने को निरर्थक तथा अपमानित अनुभव करेंगे।

प्रतिष्ठा- यश-प्रतिष्ठा के लिए समय कुछ खराब रहेगा। स्त्री जन्य विवादों के कारण प्रतिष्ठा भंग होने की सम्भावना बनेगी। स्त्री जन्य अपराधों-विवादों से अपनी प्रतिष्ठा को बचावें।

आहार- मनोनुकूल आहारों के सेवन का सौभाग्य मिलेगा, जिससे तन-मन दोनों स्वस्थ रहेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के प्रति झुकाव रहेगा। कुछ रहस्यमयी विद्याओं का अध्ययन करके अधिकाधिक ज्ञानार्जन करने में सफल रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य सुख अच्छा रहेगा। जीवनसाथी से परस्पर प्रेम एवं सामंजस्य बना रहेगा।

सन्तान- सन्तानों का स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। सन्तानों के प्रति किए गये समस्त प्रयास सफल रहेंगे।

जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख मध्यम रहेगा। उदरस्थ जठराग्नि प्रदीप्त रहेगी। शारीरिक शक्तियों में प्रगति होगी। औषधियों के सेवन से मुक्त रहेंगे।

मित्र- विविध प्रकार के मित्रों से मिलन होगा। किसी मित्र द्वारा आर्थिक सहायता मिलेगी तो किसी मित्र द्वारा आर्थिक क्षति भी सम्भव है। कुछ ऐसे भी मिलेंगे जो समाज तथा परिवार में निन्दा करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अनुकूल नहीं रहेगी। आवश्यकता की पूर्ति पारिवारिक भरण-पोषण में ही धन व्यय होगा, संचित करने में बाधा आयेगी।

प्रतिष्ठा- प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा नहीं रहेगा। स्त्री जन्य विवादों तथा भातृ द्वारा प्रतिष्ठा भंग होने की सम्भावना बनेगी। कुछ निकृष्ट कारणों से पारिवारिक तथा सामाजिक निन्दा का भी सामना करना पड़ सकता है।

आहार- मनोनुकूल आहारों का सौभाग्य नहीं मिलेगा, जिससे मानसिक दुःख व्यक्त करेंगे। पारिवारिक वाद-विवाद के कारण मनोनुकूल आहार नहीं प्राप्त कर पायेंगे।

अध्ययन- सतत् कुछ न कुछ शब्दों के ज्ञान तथा आध्यात्म के ज्ञान को जानने हेतु सतत् अध्ययन करते रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी कस स्वास्थ्य अच्छा तो रहेगा, किन्तु पति-पत्नी में प्रेम एवं सामंजस्य का अभाव रहेगा, जिससे पृथकताजनक स्थिति बनेगी।

सन्तान- सन्तानों से इच्छित लाभ की प्राप्ति होगी। सन्तान अनुशासन प्रिय रहेंगे। परिश्रम तथा उत्तम कर्मों द्वारा यथोचित अभिप्राय प्राप्त करेंगे।

अगस्त

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। कभी-कभी वात की अधिकता के कारण जोड़ों में प्रबल पीड़ा की सम्भावना रहेगी। कुछ अंशों में सर्दी-जुकाम से भी पीड़ित रहेंगे।

मित्र- मित्रों के साथ अधिक भाग-दौड़ करना पड़ेगा, किन्तु उनसे लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी, जिससे मनमुटाव भी सम्भव है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। परिश्रमानुसार धन प्राप्ति में बाधा आयेगी। आय के अनुसार विकास की स्थिति अनुकूल नहीं रहेगी। आय हेतु विविध प्रयत्न करने पर भी मनोनुकूल धन की प्राप्ति सम्भव नहीं है।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में कमी आयेगी। प्रत्युपकार की भावना से किये गये समस्त कार्यों में अपयश तथा अपमान की ही दशा बन रही है।

आहार- उचित तथा मनोनुकूल आहार न मिलने एवं आहार पराधीन होने के कारण उसे विवशता वश ग्रहण करने से हार्दिक क्लेश प्रकट करेंगे। शारीरिक-मानसिक विकारों में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन हेतु सतत् प्रयत्नशील रहेंगे परिश्रम एवं उत्तम बुद्धि के कारण किसी भी विषय को भली-भाँति कण्ठस्थ करने में सफल रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। जीवनसाथी से परस्पर प्रेम नहीं रहेगा। दोनों पृथक-पृथक रहना ही पसन्द करेंगे।

सन्तान- सन्तानों उत्तम बुद्धि एवं योग्यता रहेगी। उनके विकास के लिए कोई प्रयत्न नहीं करना पड़ेगा। वे स्वयं विकास करने में सक्षम रहेंगे।

सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। शरीर के समस्त अंग सबल तथा हृष्ट-पुष्ट रहेंगे। कभी-कभी शीत के कारण सर्दी तथा खाँसी की अधिकता रहेगी, जिसके कारण मनोबल निम्न रहेगा।

मित्र- मित्रों के दर्शन तो होंगे, किन्तु उनमें स्वार्थ की विशेष भावना रहेगी। उनके द्वारा अभीष्ट कामना सिद्ध न होने के कारण दुराव की स्थिति आयेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। समस्त आर्थिक स्रोतों से मनोनुकूल धन को प्राप्त कर प्रसन्नचित्त दिखाई पड़ेंगे। भौतिक सुख-साधनों में विशेष धन व्यय करना पड़ेगा।

प्रतिष्ठा- वाह्य जगत में विशेष प्रतिष्ठा के पात्र बनेंगे। पारिवारिक जनों में यथोचित सम्मान से विमुख ही रहेंगे।

आहार- मनोनुकूल आहार से सन्तुष्टि मिलेगी तथा शारीरिक शक्ति में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह समय अच्छा नहीं है। कार्य की विवशता तथा समयाभाव के कारण अध्ययन मार्ग में अवरोध आयेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। जीवनसाथी के कृत्यों के प्रति सन्तुष्टि नहीं रहेगी। परस्पर विरोध ही रहेगा और पृथकताजनक स्थिति पैदा होगी।

सन्तान- सन्तानों में भगवत् प्राप्ति की निष्ठा रहेगी। उत्तम संस्कारों से सम्पन्न रहेंगे। अपने कृत्यों द्वारा माता-पिता को प्रसन्नचित्त रखेंगे।

अक्टूबर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। रोगों के प्रादुर्भाव में न्यूनता आयेगी। शारीरिक रमणीयता तथा कान्ति की अधिकता के कारण पूजनीय जीवन व्यतीत करेंगे। शारीरिक स्थूलता में धीरे-धीरे वृद्धि होगी।

मित्र- मित्र सहर्ष मिलेंगे, किन्तु उनमें कृपणता की भावना रहेगी जिससे कभी-कभी शत्रुता की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है, किन्तु अल्प काल में ही मैत्री भाव में प्रगाढ़ता भी आ जायेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में प्रगति होगी। अधिकाधिक धन संचय करके प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। जीवनोपयोगी समस्त भौतिक सुख-साधनों का क्रय करके आनन्द की अनुभूति करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अनुकूल रहेगा। परोपकार एवं धर्मपुण्य कामना से किए गये कर्मों के कारण सर्वत्र स्तुति होगी और मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- ऋतु योग्य तथा मनोनुकूल आहार प्राप्त करके शरीर तथा मन सम्बन्धी विकारों का नाश करके प्रसन्नता का परिचय देंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह समय अच्छा है। रहस्यमयी विद्याओं का अध्ययन करके यश-धन दोनों की प्राप्ति करके जीवन को सुखी बनाने में समर्थ रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, किन्तु पति-पत्नी में प्रेम एवं सामंजस्य का अभाव रहेगा, जिससे पृथकताजनक स्थिति बनेगी, जिससे मान-प्रतिष्ठा-धन-यश सभी क्षेत्रों में हानि उठानी पड़ेगी।

सन्तान- सन्तानों में सन्तोष तथा प्रसन्नता रहेगी। सन्तान अनुशासनप्रिय तथा आज्ञाकारी रहेंगे। माता-पिता-पारिवारिकजनों के साथ-साथ सामाजिक जनों के भी स्नेह के पात्र बनेंगे।

नवम्बर

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य विकार युक्त रहेगा। गले में किसी प्रकार का विकार सम्भव है। कुछ अंशों में सर्दी-जुकाम से भी पीड़ित रहेंगे।

मित्र- मित्रों की अधिकता के कारण दैनिक दिनचर्या प्रभावित होगी। उनके साथ भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आर्थिक सहायता तथा वस्त्र दान देकर आत्मसन्तोष प्राप्त करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में कल्पना से अधिक सफलता मिलेगी। अपूर्व आर्थिक सफलता के कारण उत्साह तथा मनोबल में वृद्धि होगी। समस्त सुख-साधनों का उपभोग करके प्रसन्नचित्त दिखाई देंगे।

प्रतिष्ठा- मान-यश-प्रतिष्ठा में कुछ कमी आयेगी। ब्रह्मचर्य खण्ड करने के कारण अपमानित जीवन व्यतीत करेंगे। स्त्री सम्बन्धी विवादों से भी प्रतिष्ठा पर आघात लगेगा, जिससे मानसिकता नकारात्मक हो जायेगी।

आहार- सात्विक तथा मनोनुकूल आहार प्राप्त करने से तन-मन-बुद्धि तीनों का विकास होगा और भौतिक जगत में स्तुति-यश और धन के भागी बनेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह समय अच्छा है। सत्पुरुषों-सन्तों-गुरुओं के चरित्र एवं अध्यात्म का अध्ययन करने की अभिलाषा रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी दीर्घजीवी और उत्तम आरोग्यता को प्राप्त करेगी। पति-पत्नी में प्रेम एवं सामंजस्य का अभाव रहेगा, जिससे पृथकताजनक स्थिति बनेगी और दोनों पृथक-पृथक ही रहना पसन्द करेंगे।

सन्तान- सन्तानों से सन्तोष तथा प्रसन्नता रहेगी। सन्तान अनुशासनप्रिय तथा आज्ञाकारी रहेंगे। प्रतिस्पर्धा की भावना से विकास करने में समर्थ रहेंगे।

दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम ही रहेगा, किन्तु शीतकारक पदार्थों के सेवन से कफ-खाँसी का प्रकोप सम्भव रहेगा।

मित्र- मित्रों दर्शन से अपार हर्ष होगा और आर्थिक लाभ की योजना बनेगी। उनके दर्शन और सहयोग लाभकारी सिद्ध होंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में वृद्धि होगी। व्यापार की दृष्टि से सम्पादित किए गये समस्त कार्य सफल होंगे। भूमि अथवा भवन का क्रय-विक्रय करके धनाढ्य जीवन व्यतीत करेंगे। अर्थ के कारण कोई कार्य स्थगित नहीं होगा।

प्रतिष्ठा- प्रतिष्ठा के लिए समय श्रेष्ठ ही रहेगा। अधिकारियों एवं महाजनों के बीच प्रतिष्ठा प्राप्त करके प्रफुल्लित रहेंगे, पर जीवनसाथी से अपमान मिलेगा। समाज तथा परिवार के बीच यथोचित प्रतिष्ठा मिलेगी।

आहार- मनोनुकूल तथा पुष्टिदायक एवं शुद्ध आहार के कारण शारीरिक तथा मानसिक विकास सम्भव है। आहार ग्रहण के पूर्व ईश्वर को भोग रूपी नैवेद्य अर्पण करके ही प्रसाद के रूप में आहार ग्रहण करेंगे, जिससे आयु एवं बुद्धि में विकास होगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह समय अच्छा है। ब्रह्मविद्या के प्रति विशेष आकर्षण होने से ग्रन्थों का अध्ययन करके ईश्वर का साक्षात्कार करने में विशेष रुचि रखेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पति-पत्नी में प्रेम एवं सामंजस्य का अभाव रहेगा, जिससे पृथकताजनक स्थिति बनी रहेगी।

सन्तान- सन्तान सुख उत्तम मिलेगा। सन्तान स्वस्थ रहेंगे। बल-बुद्धि द्वारा जीवन सफल बनाने में सफल रहेंगे। उनके प्रगति से माता-पिता को सन्तुष्टि मिलेगी।

सावधानियाँ एवं उपाय

१. शीतकारक पदार्थों का सेवन न करें।

२. जीवनसाथी का पत्यिाग न करें।

३. पैतृक ऋण की आशा न करें, परन्तु पैतृक सम्पत्ति की रक्षा अवश्य करें।

४. अन्त्यज जातियों से सावधान रहें।

५. प्रेम विवाह न करें।

चन्द्र की शान्ति के लिए- मोती रत्न चाँदी की अगूठी में मढ़वाकर उसे प्राण प्रतिष्ठित कराकर उसे सोमवार के दिन सोम की होरा में कनिष्ठिका अँगुली में धारण करें और माता व माता तुल्य स्त्रियों का सम्मान करें।

शनि की शान्ति के लिए- १. प्रतिदिन स्नानादि से विवृत्त होकर नियम पूर्वक ‘‘ऊँ खां खीं खौं सः शनैश्चराय नमः’’ मन्त्र का जप कम से एक माला अवश्य करें तथा शनिवार के दिन इसी मन्त्र से शमी की लकड़ी से १०८ बार हवन करें।

२. शनिवार के दिन सुन्दर काण्ड का पाठ करें।

३. प्रतिदिन हनुमान चालीसा का भी ११ पाठ अवश्य करें।

४. शनिवार अथवा मंगलवार के दिन हनुमान जी का दर्शन करें।

५. काले घोड़े के नाल अथवा नाव के कील की अँगूठी शनि मंत्र से अभिमंत्रित कर शनिवार के दिन शनि की होरा में मध्यमा अँगुली में अवश्य धारण करें।